वीयू – मानसून में बढ़े साँप काटने के केस VCC जबलपुर बना पालतू जानवरों की सुरक्षा ढाल

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, जबलपुर के वेटरनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स (VCC) में हाल ही में एक 2 वर्षीय नर कुत्ते का साँप के काटने से सफलतापूर्वक उपचार किया गया। यह मामला उस समय सामने आया जब कुत्ते के मालिक ने अचानक उसके चेहरे पर तेज सूजन देखी। सूजन के साथ ही मुंह के ऊपर दांतों के निशान और सांस लेने में कठिनाई होने पर मालिक तुरंत उसे कॉलेज चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग लेकर पहुँचे।

प्राथमिक जांच में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पुष्टि की कि यह गंभीर मामला साँप के काटने का है। कुत्ते की बिगड़ती हालत को देखते हुए आपातकालीन आधार पर उपचार शुरू किया गया। डॉक्टरों की टीम ने आपातकालीन प्रोटोकॉल के तहत पॉलीवैलेंट एंटीवेनम का नार्मल सलाइन के साथ अंतःशिरा (IV) प्रशासन किया। इसके साथ ही द्वितीयक संक्रमण की संभावना को रोकने के लिए ब्रॉड–स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स भी दी गईं। मरीज को लगातार निगरानी में रखा गया और जीवनरक्षक सहयोगात्मक उपचार दिया गया।

समय पर किए गए उपचार का सकारात्मक प्रभाव शीघ्र ही दिखाई देने लगा। केवल 24 घंटे के भीतर ही कुत्ते की हालत में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। चेहरे की सूजन कम होने लगी, सांस लेने में तकलीफ घटी और कुत्ता सामान्य रूप से प्रतिक्रिया देने लगा। इस मामले के उपचार और प्रबंधन में डॉ. देवेंद्र कुमार गुप्ता, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. आदित्य प्रताप एवं डॉ. सुरभि सरोज की सक्रिय भूमिका रही। महाविद्यालय, अधिष्ठाता डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मानसून के मौसम में सांपों की गतिविधियाँ बढ़ने के कारण ऐसे मामले अधिक देखने को मिलते हैं। वेटरनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स में हाल के दिनों में कई पालतू पशुओं को साँप के काटने से लाया गया, जिनका समय पर उपचार कर सफलतापूर्वक बचाया गया।

यह सफलता न केवल आपातकालीन परिस्थितियों में कॉलेज की चिकित्सकीय क्षमता को दर्शाती है, बल्कि पशुपालकों को यह भी संदेश देती है कि किसी भी तरह की विषैली आपदा की स्थिति में वे तुरंत विशेषज्ञ वेटरनरी चिकित्सकों से संपर्क करें। समय पर उपचार ही जीवन बचाने की कुंजी है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर